जमीन अधिग्रहण होने पर शुरू हुआ काम

तीन साल में तैयार होगा गंगा नदी पर छह लेन वाला पुल

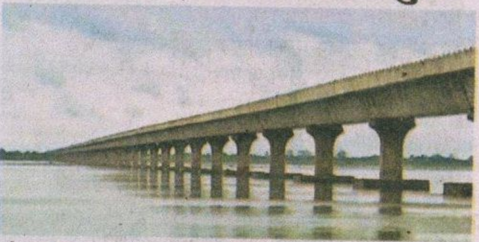

संवाददाता ▷ पटना

मोकामा में गंगा नदी पर औंटा व सिमरिया के बीच राजेंद्र पुल के पूरब छह लेन पुल का निर्माण तीन साल में पूरा हो जायेगा. पुल सहित एप्रोच रोड के निर्माण कें लिए जमीन का अधिग्रहण पूरा हो गया है. 29 अगस्त, 2018 को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की केंद्रीय मंत्री सड़क, राजमार्ग व परिवहन मंत्रालय नितिन गडकरी के साथ हुई बैठक में पुल के निर्माण कार्य को शुरू करने की चर्चा हुई थी. बैठक में पथ निर्माण मंत्री नंद किशोर यादव भी थे. एनएचएआई की ओर से इसमें त्वरित निर्णय लेकर काम शुरू करा दिया गया है. पथ निर्माण मंत्री नंद किशोर यादव ने कहा कि मोकामा में गंगा नदी पर राजेंद्र सेतु के समानांतर छह लेन वाले पुल निर्माण की बाधाएं दूर हो गयी है. 1161 करोड़ की लागत से प्रस्तावित इस पुल के निर्माण का काम आरंभ हो गया है. पुल निर्माण करनेवाली कोलकाता की कंपनी वेल स्पैन ने मोबिलाइजेशन का काम तेज कर दिया है. मंत्री ने बताया कि छह लेन पुल के निर्माण के साथ 8.15 किलोमीटर का एप्रोच रोड भी शामिल है. इस पुल के बन जाने से पटना से पूर्णिया के बीच आवागमन में लगने वाले समय में कमी आयेगी. इस पुल के निर्माण कार्य का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अक्तूबर, 2017 में किया गया था.

22 हेक्टेयर जमीन के मुआवजे का वितरण

गंगा नदी के दक्षिण हाथीदह जंक्शन के सामने से उत्तरी छोर पर सिमरिया घाट बिंद टोली होते हुए राजेंद्र पुल रेलवे स्टेशन व बरौनी थर्मल पावर स्टेशन के बीच एनएच-31 में मिलाने की योजना है. औंटा व सिमरिया के बीच गंगा नदी पर छह लेन पुल व फोर लेन एप्रोच रोड निर्माण के लिए लगभग 44.11 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जा रहा है. इसमें 22 हेक्टेयर (लगभग 54 एकड़) जमीन का मुआवजा दे दिया गया है. लगभग साढ़े 14 हेक्टेयर सरकारी जमीन के हस्तांतरण की प्रक्रिया चल रही है.